



# कनेडियन बुड की बेजोड़ श्रृंखलाओं का दिल्ली बुड २०१९ में शानदार प्रदर्शन



कनेडियन बुड आज विश्व की ग्लोबल मांग को पूरी करने में एक धमाकेदार कनेडियन बुडन श्रृंखला प्रस्तुत करने में सफलता के साथ विश्व पटल पर उभर रहा है। फॉरेस्ट इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया संस्थान द्वारा कनेडियन बुड की विभिन्न प्रकार की आकर्षक श्रृंखलाओं को प्रदर्शित करने के लिए इसमें आया है। कनेडियन बुड के एक विशेष प्रकार की लकड़ी के द्वारा बनाए गए विशेष आकर्षक श्रृंखलाओं का प्रदर्शन इंडियन इंटीरियर इंडस्ट्री के लिए एक नया तोहफा है। इस फॉरेस्ट इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया (एफआईआई इंडिया) दिल्ली बुड २०१९ की प्रदर्शनी में लाइट बुड फ्रेम निर्माण के साथ-साथ तकनीकी में हल्की लकड़ी फ्रेम की विधि व इसके उपयोग करने की पूरी प्रक्रिया व संरचना तथा फ्रेम पर टिकाऊ हेतु तकनीकी आयाम प्रस्तुत किए गए हैं।

फॉरेस्ट इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया (एफआईआई इंडिया) द्वारा दिल्ली बुड २०१९ के प्रदर्शनी में २००० वर्गफीट के एक शानदार घर बुड थीम पर स्थापित किया गया, जिसमें एक सुसज्जित हॉल, वेडरूम, बाथरूम व आउटडोर की शानदार निर्मिति की गई, जो दिल्ली बुड २०१९ प्रदर्शनी के आकर्षण का केंद्र रही। हजारों दर्शकों इस प्रवेशियन में आकर एफआईआई इंडिया के इस कनेडियन लाइट बुड फ्रेम की पद्धति द्वारा निर्मित इस भव्य आवास को देखा व निहारा व इसकी प्रशंसा की। इसी प्रदर्शनी में ९ कनाडाई कंपनियों ने बी.सी. लकड़ी द्वारा निर्मित व्यक्तिगत स्टालों के रूप में भाग लिया। एफआईआई इंडिया द्वारा प्रस्तुत विभिन्न बुड प्रजातियां तथा उनका उपयोग यथा

लाइटबुड फ्रेम निर्माण, क्लोइंग, डोकिंग, चैमोलिंग, विंडों एंड विंडों फ्रेम, डोर एंड डोर फ्रेम, रूफ, फर्श के साथ-साथ इंडोर आउटडोर फर्नीचर्स की श्रृंखलाएं प्रस्तुत की गई और इसकी विभिन्न अॉडियो-विजुअल्स कियोस्क के माध्यम स्थायी वन प्रबंधन प्रथाओं पर इस एजीविशन में प्रस्तुत जानकारी प्रदान की गई।

पाती हैं, वहां प्रोटेंबल होने के कारण इसका प्रयोग प्रचूर मात्रा में किया जा सकता है। बहुत कम कार्बन फुट प्रिंट के कारण और भी आकर्षित हो जाता है। इसमें एफआईआई भारतीय टी एंड जी घर निर्माताओं के लिए एलडब्ल्यूएफ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसका प्रदर्शनी में प्रस्तुति की गई, जिसे सभी ने पसंद किया। आवासीय

निर्माण में साफ्ट बुड के पेड़ जैसे- स्पूस, पाइन व देवनार (एसपीएफ) की बुडन

जिसका अच्छा प्रतिसाद भी मिला है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैंड-ऑन-ट्रेनिंग कोर्स के लिए सभी प्रशिक्षणार्थीयों को कनेडियन बुड द्वारा शुरू से लेकर अखिर तक किस तरह से एक लाइट टिक्कर फ्रेम हाउस बनाया जाए, जिसका शिक्षण विभिन्न प्रकार के गुणवत्ता वाले औजारों का उपयोग करते हुए एलडब्ल्यूएफ निर्माण के सभी पहलुओं को काटना, श्रेष्ठ बनाना, मापान और इसकी नींव तथा फर्श के साथ-साथ इसकी दीवारों व छत का निर्माण, जिसमें ब्रेसिंग भी शामिल है, यह प्रशिक्षण उत्तर एवं दक्षिण भारत में आयोजित किया गया, जो रहनीय रहा। फॉरेस्ट इनोवेशन कंसल्टिंग इंडिया (एफआईआई इंडिया) द्वारा भारत में कनेडियन बुड की श्रृंखलाओं को उपयोग में लाने के लिए कारपेटों, कारीगरों, कार्ट्रेक्टरों को आकर्षित करने का व इसके बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध करने हेतु संकलिप्त है, साथ ही साथ भारत में कनेडियन बुड की उपयोगिता इकोफैली वातावरण में और भी लाभकारी सिद्ध हो सकती है, जहां भारत में लकड़ी का उपयोग केवलमात्र आयातित बुड पर ही निर्भर है, ऐसे में कनेडियन बुड इंडियन इंटीरियर इंडस्ट्री के लिए संजीवनी का काम करेगी, क्योंकि इसकी बेहतरीन श्रृंखलाएं व इसके सरलतम उपयोग के साथ-साथ इसके आकर्षक प्रभाव भी भारतीय बास्तु शोली के अनुरूप उकेरा जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए info@canadianwood.in पर संपर्क किया जा सकता है।



एफआईआई इंडिया के तकनीकी सलाहकार श्री पीटर ब्रैडकिल्ड कहते हैं कि हल्की लकड़ी के फ्रेम बिल्डिंग आसानी के साथ कम समय में उपयोगकर्ता के लिए अनुकूल सुंदर व आकर्षक प्रस्तुति कनेडियन बुड के माध्यम से की जा सकती है। एफएफआई को पूरी जानकारी है कि लकड़ी के घर समुद्र तटों के किनारे, हिल स्टेशनों पर रिसोर्ट के लिए भारत में लोकप्रियता व आकर्षक का केंद्र बन रहे हैं व मार्डन ट्रॉजिस्म का हिस्सा बनकर सामने आ रहे हैं, साथ ही साथ फॉर्म हाउस व ग्रमीण इलाकों में बुनियादी सुविधाएं जहां नहीं पहुंच

श्रृंखलाओं को विशेष आकार यथा २५४, २५६, २५८ इंच आदि साइज में प्रयोग में लाया जाता है। लाइटबुड फ्रेम (एलडब्ल्यूएफ) तकनीकी के नाम से ही दर्शाता है कि बिना किसी भारी उपकरण या विशेष तकनीक का उपयोग किए बिना ही शीघ्रता से संरचना का निर्माण किया जा सकता है। इस रचना का पूर्व निर्मिति होने के साथ-साथ साइट पर इसका बखूबी निर्माण किया जा सकता है व इसका किसी भी आकार व ज्यामितीय आकार में ढालने में सक्षम है। जात रहे, एफआईआई इंडिया ने उत्तर और दक्षिण भारत में १० दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं,

